HYDERABAD
DENTAL HOSPITALS
Multi Speciality Dental Care Centres
TEETH WHITENING
ds-040-64537772 / 090000 40466 | Shali Banda-040-64537772 / 24504611

नए उत्पाद

जेब्रोनिक्स का जेब-वीआर हेडसेट

जेब्रोनिक्स, भारत में आइटी पेरिफेरल्स, ऑडिया / वीडियो सर्विलांस उत्पादों के अग्रणी आपूर्तिकर्ता, ने महज 1600 रुपए में अपने पहले प्रमुख उपभोक्ता-केंद्रित वर्चुअल रियलिटी हेडसेट को लॉन्च कर एक नई उपलब्धि हासिल की है। वीआर हेडसेट गेमिंग, शिक्षा अथवा चिकित्सा के क्षेत्र से संबंधित ऐप्लिकेशंस है। यह अल्ट्रा इमर्सिव अनुभव के साथ वास्तविकता (रियलिटी) की एक नयी दुनिया से परिचय कराता है। एक तीन-आयामी दुनिया में इमर्सिव अनुभव की पेशकश के साथ, जेब-वीआर हेडसेट्स एक साइंस फिक्शन मूवी में दिखाई जाने वाली चीजों के समान नजर आता है।

ऐडजस्टेबल फ्रंट कवर के लिए हेडसेट में स्मार्टफोन माउंट मैग्नेटिक लॉक के साथ मुलायम कुशन से सुसज्जित है, जो सुनिश्चित करता है कि आपका फोन लेंसेज के साथ सुचारु रुप से पंक्तिबद्ध है। जेब-वीआर में 'मैग्नेट टॉगल स्विच दिया गया है, रिंग दुर्लभ अर्थ मेटल नियोडिमियम से निर्मित है एवं डिस्क सिरैमिक से बना हुआ है। यह स्विच आपको मोबाइल फोन वीआर ऐप्लिकेशन के साथ इंटरैक्ट करने में सक्षम बनाता है। जेब वीआर 'वीआर गेंमिंग' एवं मनोरंजन की दुनिया में छलांग लगाने का एक शानदार जरिया है। इसे जेब्रोनिक्स जेब-75डब्ल्यूजी ब्लूटूथ गेमपैड से बेहतरीन ढंग से जोड़ा गया है। यह संयोजन वीआर गेमिंग अनुभव को एकदम नये स्तर पर ले जाता है! ऐप्प स्टोर में और अधिक वीआर गेम्स उपलब्ध होने और कार्डबोर्ड के साथ कॉम्पैटिबल होने से, आप कैमरा विंडो के साथ एआर ऐप्प को भी खोज सकते हैं। जेब वीआर का वजन 103 ग्राम से भी कम है और यह खरीदारी के लिए सर्वश्रेष्ठ वर्चुअल रियलिटी गैजट है।

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (राजेन्द्रनगर, हैदराबाद) ने किसानों के लिए कृषि से जुड़ी सस्ती एवं टिकाऊ तकनीकों का विकास किया है, जिनमें कुछ निम्न हैं -

पैडी ड्रायर - स्टील से बना 2 मैट्रिक टन क्षमता का यह उपकरण टिकाऊ एवं सस्ता है। यह अग्निरोधक एवं कृंतकरोधक भी है। इसका इस्तेमाल धान की नमी को सुखाने के लिए किया जाता है। इस उपकरण का इस्तेमाल धान के भंडारण के रूप में भी किया जा सकता है। परिवहन खर्च छोड़कर इसकी कीमत रु. 1,00,000/- है।

प्राकृतिक शत्रु हितैषी लाइट ट्रेप - यह ट्रेप प्लास्टिक जार से बनी फनेल केचर की तरह होता है। कीटों एवं रात्रि के समय उड़ने वाले की ड़े-मको ड़ों को आकर्षित करने के लिए इसमें नीले रंग की सीएफएल लैंप लगी होती है, जिसे केबल से बांध कर फील्ड में लटका दिया जाता है। रासायनिक पीड़कनाशियों का इस्तेमाल कम करने के उद्देश्य से इसे विकसित किया गया है। यह सस्ती एवं प्राकृतिक शत्रु हितैषी लाइट ट्रेप है। इसका इस्तेमाल सूझबूझ एवं समझदारी से किया जाना चाहिए। परिवहन खर्च छोड़कर इसी कीमत रु. 1,100/-है।

बिल धुम्रण (बुरो स्मोकर) यंत्र - खेतों में कृंतक पीड़कनाशियों से होने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, यह उपकरण विकसित किया गया है। उच्च क्षमता वाले ड्रम (जिसमें ईंधन होता है) वहन करने वाला यह एक एकल पहीये की ट्रोली है, जिसे आसानी से खेतों में घुमाया जा सकता है। ईंधन को कृंतक के मादों में स्प्रे कर कृंतकों को मार सकते हैं। उपकरण को इस तरह से बनाया गया है कि ज़रूरत पड़ने पर इसे विभिन्न कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। प्रति इकाई कीमत रु. 6500/- है।

कम घनत्व वाली स्पिनिंग डिस्क बैकपैक स्प्रैअर - इस उपकरण में सामने की ओर निकले हुए पाईप में दो स्पिनिंग डिस्क नोजल लगे होते हैं और पीछे की ओर 10 लीटर की एक स्प्रै टैंक होती है। यह हल्का एवं प्रचालक को चलाने में सुविधाजनक एवं आसान है। इस उपकरण द्वारा 1 घंटे में 0.6 हेक्टर फील्ड में छिड़काव किया जा सकता है। इसकी कीमत रु. 18,500/- है।

यह जाना कि सुदर्शन रेड्डी

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान में मनोरंजन केंद्र उद्घाटित

हैदराबाद, 20 अप्रैल-(मिलाप ब्यूरो) राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान में डॉ. अशोक एम.आर. दलवई (भा.प्र.से., अपर सचिव, कृषि, डीएसी, कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली) ने खेल व मनोरंजन केंद्र का उद्घाटन किया।

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी दी गयी। संस्थान की महानिदेशक वी. उषारानी ने अशोक दलवई का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। महानिदेशक ने बताया कि संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये भारत के विभिन्न भागों से अधिकारी, कर्मचारी व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी आते हैं। उन्हें प्रशिक्षण के साथ-साथ खेल सुविधा प्रदान करने के लिये उक्त केंद्र का उद्घाटन किया गया।

अवसर पर एनआईपीएचएम के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. एन. सत्यनारायण, डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव, डॉ. के. विजयालक्ष्मी, जी. शंकर व अन्य उपस्थित थे।

अपना माग तक यह बात में ज्यादातर

के समर्थन में हैं। रैली में उनकी ओर से सरकार के सामने माँगें भी रखी गई, जिनमें गौमाता को राष्ट्रमाता के

बाद राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों एवं सांसदों को अपनी माँगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया।

वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान में राकास की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 2 मार्च-(मिलाप ब्यूरो)

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद में वर्ष 2015-16 हेतु राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) की चतुर्थ बैठक महानिदेशक वी. ऊषारानी (भा.प्र.से., एनआईपीएचएम) की अध्यक्षता में आयोजित की गई। संस्थान के हिन्दी अधिकारी ने महानिदेशक सहित बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों का स्वागत किया एवं अक्टूबर-दिसंबर, 2015 की तिमाही रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के साथ-साथ पिछले बैठक के दौरान लिये गए निर्णयों पर की गई कार्यवाही पर चर्चा की गई। महानिदेशक ने धारा 3(3) का पूर्णत: अनुपालन किये जाने की सराहना की तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक टिप्पणी लिखने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने हिन्दी अधिकारी को संस्थान में चलाये जा रहे प्रशिक्षणों के पाठ्य सामग्री का हिन्दी अनुवाद करवाने के निर्देश दिए, ताकि कृषि अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रशिक्षार्थियों एवं कृषक समुदायों को हिन्दी में पाठ्य सामग्री उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि एनआईपीएचएम की वेबसाइट पर कृषि क्षेत्र से जुड़े एवं किसानों से संबंधित अधिक से अधिक जानकारियाँ एवं वीडियो सहित हिन्दी, अंग्रेजी एवं स्थानीय भाषाओं में भी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। बैठक में संस्थान के प्रत्येक प्रभाग द्वारा अपनाई जाने वाली नई तकनीकी, खाद्य संसाधन एवं फसलों की सुरक्षा से संबंधित लेख दैनिक हिन्दी समाचार-पत्रों में प्रकाशित किये जाने का भी निर्णय लिया गया, ताकि इसकी जानकारी एवं लाभ सीधे किसानों तक पहुँच सके। बैठक में संस्थान के कुलसचिव (इंजी.), जी. शंकर, निदेशक डॉ. चेरूकेरी श्रीनिवास राव, संयुक्त निदेशक डॉ. ओ.पी. शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

या कि अवसर बर मूर्तिपूजक यरमैन प्रकाश न्द समदरिया, च्छा, मुकेश बाबूलाल बुरड़ को नूतन शाखा

नि:शुल्क

हैदराबाद, 2 मार्च-(नारायण सेवा संस्थान के इसामिया बाज़ार स्थि हैदराबाद आश्रम में नि: परीक्षण शिविर ओर्थोपि अजीमुद्दीन के नेतृत्व में आज यहाँ जारी